मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MSK–005

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत) (एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.-005 : वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।

(iii) प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नांकित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$5 \times 10 = 50$

(क) वेद के विभाजन क्रम को प्रदर्शित करते हुए उस क्रम-विभाजन के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) वेदाङ्ग कितने हैं ? वेदाङ्गों का परिचय देते हुए उसकी महत्ता पर प्रकाश डालिए।

(ग) ऋग्वेद में वर्णित समाज, अर्थव्यवस्था एवं राजनीति पर विस्तारपूर्वक निबन्ध लिखिए।

(घ) यजुर्वेद में प्रवर्तित यज्ञों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

(ङ) ब्राह्मण का परिचय देते हुए ऋग्वेद के ब्राह्मण ग्रन्थों का प्रतिपाद्य लिखिए।

(च) वेदों के कालविषयक ज्योतिष मत के ऊपर **एक** विस्तृत निबन्ध लिखिए।

(छ) उपनिषदीय कर्मकाण्ड पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : $2\times5=10$

(क) यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्म्माणि प्रथमान्यासन्।
ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः॥

(ख) इयं विसृष्टिर्यत आबभूव यदि वा दधे यदि वा न।

यो अस्याध्यक्षः परमे व्योमन् सो अङ्ग वेद यदि वा न वेद॥

(ग) अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः।

जाया पत्ये मधुवतीं वाचं वदन्तु शान्तिवाम्॥

(घ) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत् परिगृहीतममृतेन सर्वम्।

येन यज्ञस्तायते सप्तहोता तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ कीजिए :

$5 \times 6 = 30$

(क) ऋग्वेद में धर्म

(ख) निरुक्त का महत्व

(ग) निरुक्त में प्रतिपादित निर्वचन सिद्धान्त

(घ) वैदिक देवताओं के प्रकार

(ङ) पुरुषार्थ चतुष्टय

(च) विवाह के प्रकार

(छ) रामायणकालीन संस्कृति

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) समानकर्तृकेषु तुमुन्

(ख) द्वन्द्वमनोज्ञादिभ्यश्च

(ग) इगन्ताच्च लघुपूर्वात्

(घ) कपिज्ञात्योर्ढक्

× × × × ×